गैरसैंण,सोमवार
6 मई 2024
वर्षः 16
अंकः 17 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

ऊखीमठ से आज रवाना होगी बाबा केदार की डोली

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध भगवान केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया रविवार से शुरू हो गई है। सोमवार को विशेष पूजा अर्चना के साथ बाबा केदार की डोली ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से केदारनाथ के लिए रवाना होगी। डोली यात्रा को लेकर बदरी–केदार मंदिर समिति ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। आगामी 10 मई को भगवान केदारनाथ धाम के कपाट इस वर्ष की ग्रीष्मकालीन यात्रा के लिए सुबह 7 बजे खोल दिए जाएंगे। ग्रीष्मकाल में छह माह तक भगवान केदारनाथ की पूजा अर्चना हिमालय स्थित केदारनाथ धाम में होगी। केदारनाथ मंदिर के कपाट खोलने की प्रक्रिया को लेकर रविवार को ओंकोरश्वर मंदिर ऊखीमठ में देर सांय 7 बजे से भैरवनाथ का पूजन शुरू हुआ जो देर रात्रि तक चला। आचार्य एवं वेदपाठियों ने पूजा–अर्चना शुरू करते हुए भगवान से सुख समृद्धि और विश्व कल्याण की प्रार्थना की। भगवान भैरवनाथ को केदारपुरी का क्षेत्र रक्षक देवता माना गया है। लोक मान्यताओं के अनुसार भगवान केदारनाथ के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मन्दिर में भैरव पूजन के बाद भैरवनाथ केदारपुरी के लिए रवाना होते है। बाबा भैरवनाथ केदापुरी की ऊंची पहाड़ियों पर विराजमान हैं। मंदिर समिति के कार्याधिकारी आरसी तिवारी ने बताया कि सोमवार को ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली सेना एवं स्थानीय वाद्य यंत्रों तथा श्रद्धालुओं की जयकारों के साथ केदारपुरी धाम के लिए रवाना होगी। 6 मई को डोली विभिन्न यात्रा पडावों पर भक्तों को आशीष देते हुए पहले रात्रि प्रवास के लिए विश्वनाथ मन्दिर गुप्तकाशी पहुंचेगी। 7 मई को पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली दूसरे रात्रि प्रवास के लिए फाटा पहुंचेगी जबकि 8 मई को गौरीकुण्ड और 9 मई को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। जहां 10 मई को प्रातः 7 बजे भगवान केदारनाथ के कपाट देश–विदेश के भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

कांग्रेस को फिर बड़ा झटका, नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने प्राथमिक सदस्यता से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली ,कांग्रेस को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के नाम एक पत्र में उन्होंने लिखा, आदिकाल से ये स्थापित सत्य है कि धर्म का साथ देने वालों का विरोध होता रहा है। हिरण्यकशिपु से लेकर रावण और कंस तक इसका उदाहरण हैं।

वर्तमान में प्रभु श्रीराम का नाम लेने वालों का कुछ लोग इसी तरह विरोध कर रहे हैं।अयोध्या राम मंदिर का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा कि हर हिंदू के लिए प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पवित्रता के साथ बहुत मायने रखती है और राम लला के दर्शन मात्र से जहां हर हिंदू अपना जीवन सफल मानता है, वहीं, कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। मैंने जिस पार्टी को अपने 22 साल से ज़्यादा दिए, जहां एनएसयूआई से लेकर एआईसीसी के मीडिया विभाग में पूरी ईमानदारी से काम किया, आज वहां ऐसे ही तीव्र विरोध का सामना मुझे करना पड़ा है क्योंकि मैं अयोध्या में राम लला के दर्शन करने से ख़ुद को रोक नहीं पाई।मेरे इस पुनीत कार्य का विरोध इस स्तर तक पहुंच गया कि मेरे साथ छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुए घटनाक्रम में मुझे न्याय देने से इनकार कर दिया गया। मैंने हमेशा ही दूसरों के न्याय के लिए हर मंच से लड़ाई लड़ी है, किंतु जब स्वयं के न्याय की बात आई तो पार्टी में मैंने स्वयं को हारा हुआ पाया।

प्रभु श्रीराम की भक्त व एक महिला होने के नाते मैं बेहद आहत हूं। बार–बार पार्टी के समस्त शीर्ष नेताओं को अवगत कराने के बाद भी जब मुझे न्याय नहीं मिला, इससे आहत होकर मैंने आज यह कदम उठाया है।

दर्दनाक हादसा : अज्ञात वाहन ने कार को मारी टक्कर, एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मौत

जयपुर ,राजस्थान के सवाई माधोपुर के बौंली थाना क्षेत्र के एक्सप्रेस–वे पर बनास पुलिया के समीप आज सुबह एक भीषण सडक़ हादसा सामने आया है। इस हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं दो मासूम बच्चे दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए। सभी घायल एक ही परिवार के थे और सीकर से रणथंभौर गणेश जी के दर्शन हेतु जा रहे थे। सूचना के बाद बौली थाना पुलिस व एंबुलेंस मौके पर पहुंची। मृतकों में तीन महिलाएं व तीन पुरुष शामिल है। सभी कार सवार लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे है। जानकारी के मुताबिक परिवार सीकर से रणथंभौर गणेश जी के दर्शन के लिए जा रहा था।

इटावा में पीएम मोदी ने मुलायम सिंह को किया याद

शिवपाल यादव पर ली चुटकी, कहा— दिल की बात जुबान पर आ गई

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के इटावा में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुलायम सिंह यादव को याद किया। इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) के महासचिव शिवपाल यादव पर चुटकी भी ली। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब इस इलाके में आया हूं, तो मुझे 2019 के चुनाव के पहले की बात याद आ रही है। जब संसद का सत्र चल रहा था और संसद में स्वर्गीय मुलायम सिंह भाषण देने के लिए खड़े हुए। मुलायम सिंह ने 2019 लोकसभा चुनाव से कुछ दिन पहले संसद में कहा था और एक प्रकार से मेरे लिए वो आशीर्वाद बन गया कि मोदी जी आप तो दोबारा जीतकर आने वाले हैं। नेता जी हमारे बीच नहीं हैं।पीएम मोदी ने आगे शिवपाल यादव का बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा कि लेकिन, संयोग देखिए उनके सगे भाई भाजपा को जिताने की अपील कर रहे हैं। उनके दिल की बात

जुबान पर आ ही गई। दरअसल, शिवपाल सिंह यादव की जसवंत नगर में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जुबान फिसल गई थी और उन्होंने मंच से लोगों से भाजपा को अच्छे मार्जिन से जिताने की अपील कर दी। इस दौरान उनके साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। इटावा में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी ने आगे कहा कि कौन जानता है कि 2047 में आपका बेटा–बेटी ही मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बने। शाही परिवार का वारिस ही मुख्यमंत्री–प्रधानमंत्री बने, यह कुप्रथा को इस चाय वाले ने तोड़ दिया है। हमारे यहां राजाराम मोहन राय का नाम आता है कि उन्होंने फलाना कुप्रथा तोड़ दी। वैसे ही कभी आएगा देश में एक प्रधानमंत्री होते थे, चाय वाले थे और उन्होंने ऐसी कुप्रथा को तोड़ दिया।

पुंछ आतंकी हमले में सुरक्षाबलों का एक्शन, 6 लोगों को लिया हिरासत में

पुंछ ,जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायु सेना के काफिले पर हुए हमले के संबंध में पूछताछ के लिए सुरक्षाबलों ने छह स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक, इन स्थानीय लोगों पर हमले में आतंकियों की मदद करने का संदेह है। हमले में पांच जवान घायल हुए थे, जिन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर के अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई। हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में शनिवार शाम 6 बजकर 15 मिनट पर हुआ। चार आतंकियों ने सनाई टॉप जा रही सुरक्षाबलों की दो गाडियों पर फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। हमले के बाद आतंकवादी जंगल में भाग गए। उनके हाथ में एके असॉल्ट राइफल्स थी। एयरफोर्स की स्पेशल गरुड़ फोर्स, आर्मी और जम्मू–कश्मीर पुलिस सर्च ऑपरेशन कर रही हैं। पुंछ, राजौरी–अनंतनाग लोकसभा सीट में आता है। यहां छठे फेज में 25 मई को वोटिंग है।

कोविशील्ड वैक्सीन पर सियासत जारी, विशेषज्ञों ने कहा,घबराने की जरूरत नहीं

देहरादून , कोविशिल्ड वैक्सीन के साइड इफेक्ट को लेकर कुछ दिनों से सियासत जारी है। विपक्ष सवाल उठा रहा है, तो वहीं सत्ता पक्ष सवालों का मुस्तैदी से जवाब देने में जुटा है। इस बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने लोगों से न घबराने की अपील की है। यूके की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने पहली बार लंदन के कोर्ट में स्वीकार किया है कि कोरोना वायरस के खिलाफ लगने वाली उसकी वैक्सीन से दुर्लभ मामलों में गंभीर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। इसके बाद इस पर सियासत तेज हो गई है। राजनीतिक दल एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वैक्सीन के फायदे ज्यादा हैं और नुकसान बेहद कम हैं। इसलिए कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। वैक्सीन सेफ है और जिसको साइड इफेक्ट होने थे, वो वैक्सीनेशन के बाद ही हो गए होंगे।विशेषज्ञों ने कहा है कि कोविशील्ड को लेकर आ रही खबरों से घबराने की जरूरत नहीं है। कार्डियोलाजिस्ट डॉ.

एसडी जोशी ने कहा कि कोविड की वैक्सीन लगने के एक से छह हफ्ते के बाद साइड इफेक्ट आ जाते हैं। लोगों को डरने की कोई जरूरत नहीं है। अब तक 230 करोड़ वैक्सीन की डोज देश में लग चुकी है। यदि साइड इफेक्ट होते तो, अब तक आधे से ज्यादा लोगों की मृत्यु हो गई होती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, इसलिए घरबराएं नहीं। वहीं न्यूरोसर्जन डॉ. महेश कुडिय़ाल ने भी कहा कि वैक्सीन को लेकर पैनिक होने की जरूरत नहीं है।कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि ब्रिटेन की अदालत में हलफनामा देकर सीरम कंपनी ने स्वीकार किया है उनकी वैक्सीन के कारण हार्ट अटैक, ब्रेन हैमरेज व ब्लड क्लॉटिंग की आशंका है। देश में करोड़ों लोगों को कोविशिल्ड वैक्सीन लगी है। इससे हर शख्स के मन में भय है। वहीं बीजेपी के प्रदेश मीडिया मनवीर चौहान ने कहा कि करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करने वाली वैक्सीन के खिलाफ, जिस तरह से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा दुष्प्रचार किया जा रहा है, वो किसी एजेंडा का हिस्सा है।

देश में वैक्सीन ने करोड़ों लोगों की जान बचाई। उस समय भी विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे। मोदी वैक्सीन कह कर इसका दुष्प्रचार किया गया। बाद ने उन्होंने खुद भी वैक्सीन लगवाई। भारत में निर्मित वैक्सीन का पूरी दुनिया ने लाभ उठाया। लेकिन आज देश में चुनावी माहौल के दौरान दुष्प्रचार कर जनता को भ्रमित किया जा रहा है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को आरक्षण की सीमा हटाने की चुनौती दी

● कहा – कांग्रेस सत्ता में आई तो इसे समाप्त करेगी

निर्मल ,कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने की चुनौती देते हुए रविवार को कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो वह इस सीमा को समाप्त कर देगी। तेलंगाना के आदिलाबाद लोकसभा क्षेत्र के निर्मल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आरक्षण के खिलाफ हैं और इसे समाप्त करना चाहते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, नरेंद्र मोदी को देश से यह वादा करना चाहिए कि वह 50 प्रतिशत की सीमा हटा देंगे क्योंकि कांग्रेस ऐसा करने वाली है। नरेंद्र मोदी ने अब तक

अपने किसी भी भाषण में नहीं कहा है कि वह आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा समाप्त करेंगे। आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा करने को देश के समक्ष सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में ओबीसी, दलितों और जनजातीय लोगों के साथ न्याय करने का वादा किया है। उन्होंने दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) संविधान को समाप्त करना चाहते हैं। संविधान की एक प्रति लहराते हुए उन्होंने कहा, यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच है। एक तरफ कांग्रेस संविधान को बचाने की कोशिश कर रही है तो दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस संविधान को समाप्त कर गरीबों को दिये गये अधिकार छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने कहा है कि यदि वे सत्ता में आये तो संविधान बदल देंगे। यदि संविधान बदला गया तो आरक्षण भी समाप्त हो जायेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पिछड़ों, दलितों और जनजातीय लोगों का विकास नहीं चाहती है। राहुल गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में अपनी गारंटियों को पूरा किया है और पूरे देश में इसी तरह की गारंटियां पूरी करने की उसकी योजना है।

राहुल गांधी ने कहा कि गरीब परिवार की हर महिला को हर महीने 8,500 रुपये दिये जायेंगे। यह तेलंगाना में महिलाओं को मिलने वाले मासिक 2,500 रुपये के अतिरिक्त होगा। प्रधानमंत्री पर युवाओं को बेरोजगार बनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 'पहली नौकरी पक्की' की गारंटी दी है जिसमें मनरेगा की तरह ही स्नातकों को रोजगार की गारंटी मिलेगी।

पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह जेल से बाहर निकले, समर्थकों ने किया स्वागत

पटना , पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह रविवार को पटना की बेऊर जेल से बाहर निकल गये हैं। गृह विभाग से हरी झंडी मिलने के बाद अनंत सिंह को जेल से 15 दिनों की पैरोल मिली है। वह सुबह लगभग 4:00 बजे जेल से बाहर निकले। जेल के बाहर जुटे समर्थकों ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद वह कार में बैठकर रवाना हो गए। अनंत सिंह को राज्य सरकार ने पुश्तैनी जमीन के बंटवारे के लिए पैरोल दिया है। अनंत सिंह कई सालों से जेल में बंद हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उन पर एके–47 रखने का आरोप है। इसके लिए कोर्ट ने उन्हें दस साल की सजा सुनाई थी। वह पटना की बेऊर जेल में सजा काट रहे हैं।

चुनाव आयोग की अनूठी पहल, 23 देशों के 75 प्रतिनिधि लोकतंत्र के महापर्व को देखने पहुंचे भारत

नई दिल्ली , दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के सबसे बड़े पर्व लोकसभा चुनाव को देखने के लिए 23 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों से जुड़े हुए 75 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भारत पहुंचे हुए हैं। यह जानकारी रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दी। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि यह बहुत खुशी और संतुष्टि की बात है कि हमारे निमंत्रण पर 23 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों से जुड़े 75 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि हमारे चुनावों को देखने के लिए यहां आए हैं।

राजीव कुमार ने कहा, लगभग दस या उससे अधिक अध्यक्ष और विभिन्न देशों के मुख्य चुनाव आयुक्तों के समकक्ष यहां मौजूद हैं। यह खुलासा करने की हमारी स्थापित नीति के अनुरूप है, मजबूत स्थिति से काम करते हुए कि हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। इसलिए हम उन्हें आमंत्रित किए हैं। वे पांच शहरों और पांच राज्यों में जा रहे हैं और वे बूथों पर भी जाएंगे और देखेंगे कि भारत में लोकतांत्रिक उत्सव कैसे मनाया जा रहा है? चुनाव आयुक्त ने कहा, प्रेस वहां है, राजनीतिक दल वहां हैं, एजेंट वहां हैं इसलिए हमने उन्हें हमारी नीति पर आने और मतदान करने के लिए आमंत्रित किया है।

संपादकीय

नष्ट होती वन संपदा

हर साल उत्तराखंड की जंगलों को उतना नुकसान अवैध शिकारी और वन माफियाओं की गतिविधियों से नहीं होता जितना वनों में लगने वाली आग से होता है। उत्तराखंड की यह बेबसी है कि तमाम प्रयासों के बावजूद यहां वन क्षेत्र को जलने से बचाने का कोई स्थाई समाधान अब तक तलाश नहीं जा सका है। प्रदेश में एक बार फिर जंगल धधक रहे हैं और सबको इंतजार है तो आसमानी कृपा का ताकि यह धधकते जंगल शांत हो सके। गर्मियों की शुरुआत होने के साथ ही अब तक उत्तराखंड के जंगलों में 886 घटनाएं हो चुकी हैं। जिसकी चपेट में आकर अब तक पांच की मौत और पांच लोग घायल हो चुके हैं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि अब तक 1107 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है। उत्तरकाशी के जंगल इस अग्निकांड से सबसे अधिक प्रभावित नजर आ रहे हैं। यहां अब तक 19.55 हेक्टेयर वन क्षेत्र आग की भेंट चढ़ गए हैं। आग के कारण न केवल वन्य जीव के जीवन पर संकट खड़ा हुआ है बल्कि ग्रामीणों के आगे भी सांस लेने में दिक्कत जैसी दिक्कतें नजर आने लगी हैं। वन विभाग के पास भी इतने संसाधन नहीं है कि वह अग्निकांड की इन घटनाओं पर रोकथाम लगा सके या फिर लगी हुई आग को बुझाने के लिए सार्थक प्रयास कर सके। गढ़वाल के मुखेम रेंज के डांग, पोखरी गांव, डुंडा रेंज के चामकोट व दिलसौड़ क्षेत्र, धरासू रेंज में फेडी व सिलक्यारा में आग से करोड़ों रुपए की वन संपदा नष्ट हो चुकी है। वनाग्नि को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाई लेवल मीटिंग भी ली है और साथ ही वन विभाग को जंगलों में लगी आग पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त संसाधन के साथ–साथ बजट भी उपलब्ध कराया है हालांकि बावजूद इसके जंगलों में लगी आग पर नियंत्रण न पाना बेहद चिंता जनक है। यदि जल्द ही बरसात ना हुई तो अग्निकांड का क्षेत्रफल अभी और अधिक बढ़ने वाला है जिससे वन्यजीवों के साथ–साथ आज प्रभावित क्षेत्र के आसपास रहने वाले लोग भी प्रभावित होंगे। यहां ग्रामीणों की भी या जिम्मेदारी बनती है कि वह आज से बचने के उपाय एवं पर अमल करें साथ ही वन विभाग को भी पूर्व से ही ग्रामीणों को आज पर नियंत्रण करने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए।

ताप से बचाव को पैटर्न बदलें किसान

अनु मिश्रा

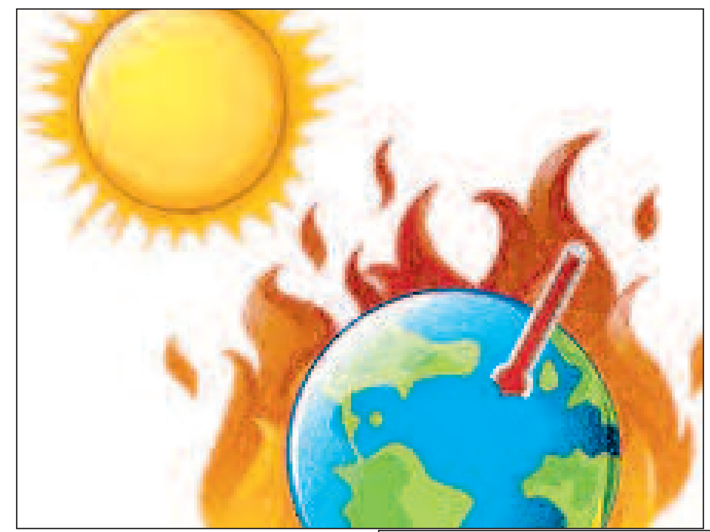

सच है कि ग्लोबल वॉर्मिंग ने हमारे खेत–खलिहानों में दस्तक दे दी है। जिस गति से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वह आम आदमी के लिये तो कष्टकारी है ही, किसान के लिये संकट ज्यादा बढ़ा है। इसका सीधा असर खेतों की उत्पादकता पर पड़ रहा है। जिसके मुकाबले के लिये सुनियोजित तैयारी की जरूरत है। किसानों को उन वैकल्पिक फसलों के बारे में सोचना होगा, जो कम पानी व अधिक ताप के बावजूद बेहतर उत्पादन दे सकें। अन्न उत्पादकों को धरती के तापमान से उत्पन्न खतरों के प्रति सचेत करने की जरूरत है, यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो मान लीजिए कि हम आसन्न संकट की अनदेखी कर रहे हैं। यह मसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मुद्दा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य शृंखला से भी जुड़ा है। यानी गाहे–बगाहे इस संकट की जद में देश का हर नागरिक आएगा। दरअसल, दुनिया के तापमान पर निगाह रखने वाली वैश्विक संस्था डब्ल्यू.एम.ओ. की यह रिपोर्ट चिंता बढ़ा रही है जिसमें कहा गया है कि पिछले एक दशक में पृथ्वी का तापमान कमोबेश औसत तापमान से अधिक ही रहा है।

फिक्र की बात यह है कि इसके मौजूदा साल में और अधिक रहने की आशंका जतायी जा रही है। यह वैज्ञानिक सत्य है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि से पूरी दुनिया का मौसम चक्र गहरे तक प्रभावित होता है। देर–सबेर इससे मनुष्य जीवन का हर पहलू प्रभावित होगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते पूरी दुनिया में यह कह पाना कठिन है कि कहां अप्रत्याशित बारिश होगी और कहां कष्टकारी तापमान बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद विकसित देशों की सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत नजर नहीं आती। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि इस सदी के मध्य तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ सकता है। जो मानव जीवन चक्र व फसलों के लिये घातक साबित हो सकता है।

यह सर्वविदित है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने के लिये प्रतिबद्ध नजर नहीं आ रहे हैं। पूरी दुनिया में बड़े राष्ट्र विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी से दोहन करने में लगे हैं।

वे इस बात को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं कि आज दुनिया में औद्योगिकीकरण से पहले के समय के मुकाबले विश्व का तापमान निर्धारित सीमा को पार कर चुका है। जो हमारे लिये एक खतरे की घंटी जैसा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हम मौसमी बदलाव के अनुकूल खुद को उसी अनुपात में तेजी से ढाल नहीं पा रहे हैं। दरअसल, हमें मौसम के व्यवहार में तेजी से हो रहे बदलाव के अनुरूप अपनी खेती के पैटर्न में भी बदलाव की जरूरत है। उन परंपरागत फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जो कम बारिश व अधिक तापमान में ठीक–ठाक उपज देने में सक्षम हैं। एक समय भारत में बड़े भू–भाग में हम मोटे अनाज का उत्पादन करते थे, जो कम बारिश में भी बेहतर फसल दे सकता था। लेकिन कालांतर हमने अधिक सिंचाई वाली फसलों का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर करना तेजी से शुरू कर दिया। मौसम में बदलाव का असर खाद्यान्न ही नहीं, सब्जियों, फल–फूलों पर भी गहरे तक पड़ रहा है। ऐसे में सिर्फ कागजी कार्रवाई के बजाय धरातल पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। हमारे कृषि विश्वविद्यालयों को फसलों के नई किस्म के बीज तैयार करने होंगे, जो किसानों को संबल देने के साथ ही हमारी खाद्य सुरक्षा चेन को सुरक्षित बना सकें। साथ ही हमें कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी अंकुश लगाना होगा। हमें मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी नियंत्रण करना होगा क्योंकि भारत चीन के बाद मीथेन उत्सर्जन में दूसरे नंबर पर है। साथ ही पशुधन का संरक्षण भी अनिवार्य होगा। यदि हम अभी भी नहीं जागे तो हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, चक्रवाती तूफान जैसी आपदाओं के लिये तैयार रहना होगा। भारत, जहां देश की आधी आबादी कृषि व उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है, उसके लिये यह संकट बड़ा है।.

पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते पूरी दुनिया में यह कह पाना कठिन है कि कहां अप्रत्याशित बारिश होगी और कहां कष्टकारी तापमान बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद विकसित देशों की सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत नजर नहीं आती। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि इस सदी के मध्य तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ सकता है। जो मानव जीवन चक्रव फसलों के लिये घातक साबित हो सकता है।

तबाही ला सकती हैं ग्लेशियर झीलें

विनोद कुमार

पिछले साल सिक्किम में लहोनक ग्लेशियर झील फटने की घटना पुरानी नहीं है जिसमें 180 लोगों के मरने व पांच हजार करोड़ के नुकसान की खबर थी। इसी तरह केदारनाथ में चौराबाड़ी ग्लेशियर झील फटने से हजारों लोगों की जल प्रलय में मौत हुई थी। 2021 में उत्तराखंड की नीति घाटी में ग्लेशियर झील फटने से दो सौ लोगों के मरने समेत डेढ़ हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। अब हिमालय पर्यावरण विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि देश के हिमालय क्षेत्र में आने वाले राज्यों में खतरनाक किस्म की 188 ग्लेशियर झीलें बन चुकी हैं, जो किसी बड़े भूकंप आने पर लाखों लोगों के जीवन पर घातक प्रभाव डाल सकती हैं। यूं तो सबसे ज्यादा खतरे की वजह पूर्वोत्तर की झीलें हैं, लेकिन खतरा कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम में भी लगातार बना हुआ है। दरअसल, केंद्रीय गृहमंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले डिजास्टर मैनेजमेंट डिवीजन और हिमालय अध्ययन विशेषज्ञों की टीम द्वारा किए गए एक साल की स्टडी के बाद जो निष्कर्ष सामने आए हैं वे चिंता में डालने वाले हैं। दरअसल, अब ग्लोबल वार्मिंग का वास्तविक खतरा सामने दिखायी दे रहा है। लगातार बढ़ते तापमान से हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पहाड़ों में बर्फ पिघलने से बने जल को निकासी का रास्ता न मिलने पर ये बर्फीला पानी झीलों के रूप में एकत्र हो जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि यदि इन संवेदनशील इलाकों में सात तीव्रता जैसा भूकंप आता है तो ये झीलें जल बम बनकर फूट सकती हैं। इससे छह राज्यों की करीब तीन करोड़ आबादी प्रभावित हो सकती है।

दरअसल, इस हालिया अध्ययन में बताया गया है कि ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते इन हिमालयी क्षेत्रों में 28 हजार से अधिक झीलें बन गई हैं। जिसमें 188 ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती हैं। इन संवेदनशील झीलों को ए श्रेणी में रखा गया है। इन इलाकों में ग्लेशियरों के पिघलने व खिसकने का खतरनाक ट्रेंड देखा गया है। वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियरों की पिघलने की दर 15 प्रतिशत बढ़ गई है। जो हमारे लिए गंभीर चेतावनी का कारण बन रही है। केंद्र सरकार के अधिकारी और पर्यावरण विशेषज्ञ ग्राउंड जीरो व उपग्रहों के जरिये इन झीलों की बराबर निगरानी कर रहे हैं। इन इलाकों में स्वचालित मौसम निगरानी केंद्र बनाये गए हैं। इस दिशा में मंथन किया जा रहा है कि कैसे इन खतरनाक झीलों का पानी आधुनिक तरीकों से रिलीज किया जाए। एक ओर जहां झीलों से जल निकासी के रास्ते तलाशे जा रहे हैं, वहीं ड्रिल करके पानी को नियंत्रित करने पर भी विचार हो रहा है। इसके अलावा भूमिगत पानी के साथ मिलाने के लिये भूमिगत टनल बनाने पर भी मंथन हो रहा है।

आस्था की सार्वजनिक अभिव्यक्ति को लेकर विदेशी छात्रों से मारपीट भारतीय संस्कृति व मानवीय दृष्टिकोण से दुर्भाग्यपूर्ण

सुषमा गौर

गुजरात विश्वविद्यालय परिसर में विदेशी छात्रों की आस्था की सार्वजनिक अभिव्यक्ति को लेकर जो मारपीट हुई, वह भारतीय संस्कृति व मानवीय दृष्टिकोण से भी दुर्भाग्यपूर्ण कही जाएगी। खासकर ऐसे देश में जहां ह्यवसुधैव कुटुंबकमह्ल और ह्यअतिथि देवो भवह्ल की अवधारणा को सदियों प्राथमिकता दी जाती रही हो। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम देश की छवि को दागदार करने वाला है। अच्छी बात है कि विवाद बढ़ते देख राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्ती बरती है और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। सवाल यही है कि विदेशी छात्रों के साथ ऐसी धार्मिक असहिष्णुता क्यों? आखिर किसी अन्य धर्म के छात्र की आस्था की अभिव्यक्ति पर किसी को प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता क्यों पड़ी? निश्चित रूप से शैक्षिक परिसरों में इस तरह की असहिष्णुता का पनपना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। रमजान के महीने में विश्वविद्यालय परिसर में सामूहिक रूप से प्रार्थना करना सामान्य बात है क्योंकि वहां कोई उपासना स्थल मौजूद नहीं था। सवाल यह भी है कि बाहरी लोगों के हमला करने पर विश्वविद्यालय का सुरक्षा तंत्र व पुलिस समय रहते सक्रिय क्यों नहीं हो पाये। सवाल देशी–विदेशी छात्रों का नहीं है, लेकिन जब विदेशी छात्रों के मामले में किसी भी तरह की अराजकता फैलायी जाती है तो दुनिया में गलत संदेश जाता है। निस्संदेह, ऐसे घटनाक्रमों से विदेशों में भी भारत की छवि खराब होती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया के तमाम देशों से विभिन्न धर्मों के छात्र हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के लिये आते हैं। ऐसे में हमारे विश्व गुरु बनने के दावे का क्या होगा? क्यों फिर विदेशी छात्र भी पढ़ाई को लेकर भारत को अपनी प्राथमिकताओं में रखेंगे? दरअसल,भारत को एशिया व अफ्रीकी देशों के छात्र इसलिये पढ़ाई के लिये चुनते रहे हैं क्योंकि माना जाता रहा है कि भारत में उच्च शिक्षा के अवसरों के साथ ही वातावरण सहिष्णुता की संस्कृति वाला रहा है। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम सिर्फ कानून व्यवस्था का ही नहीं है बल्कि दुनिया में भारत की छवि को खराब करने वाला भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि घटना में लिप्त लोगों से सख्ती से निबटा जाएगा।

निस्संदेह, किसी भी विश्वविद्यालय परिसर में ऐसा घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विगत में ऐसी घटना दिल्ली स्थित जेएनयू परिसर में भी हुई थी और छात्रों को निर्ममता से पीटा गया था। हमलावरों में बाहरी लोग भी शामिल थे। लेकिन दोषियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई संतोषजनक नहीं रही थी। संभवतः सत्ता में वर्चस्व वाले दल के हस्तक्षेप के चलते पुलिस दबाव महसूस कर रही होगी। दरअसल, ऐसी घटनाओं की तह में जाने की जरूरत होती है। ताकि पता चल सके कि घटनाक्रम तात्कालिक घटना से प्रेरित है या फिर घटनाक्रम की सोच के पीछे नियोजित कोशिश है। लेकिन इसके बावजूद अंतर्राष्ट्रीय छवि से जुड़ी संवेदनशील घटनाओं के प्रति स्थानीय प्रशासन व पुलिस को सजग रहने की जरूरत है। निश्चित रूप से हमारे शिक्षा के परिसर सांप्रदायिक सोच के चलते तोड़फोड़, पथराव व मारपीट की घटनाओं से मुक्त होने चाहिए। यह ठीक है कि बाद में गुजरात पुलिस ने मामले में कार्रवाई में तेजी लाते हुए कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में राज्य के गृहमंत्री ने पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक करके विश्वविद्यालय प्रशासन को अतिरिक्त सुरक्षा देने वाले कदम भी उठाये हैं। लेकिन जरूरत इस बात की है कि घटना में संलिप्त अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई हो और जांच को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। निस्संदेह, ऐसी घटनाएं अचानक नहीं होती। मामले की पृष्ठभूमि पर भी गौर करने की जरूरत होती है। साथ ही विश्वविद्यालय परिसरों में ऐसा वातावरण होना चाहिए कि छात्र सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील व सहिष्णु बनें। साथ ही छात्र सर्वधर्म समभाव की सोच का अनुसरण करें। जिससे विश्वविद्यालय परिसरों में सभी धर्मों का आदर करने की सोच कमजोर न हो। यह बात हमारे विश्वविद्यालय परिसरों में ही नहीं, पूरे देश के लिये भी अपरिहार्य है।

सांप्रदायिक विचारों की लामबंदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कांग्रेस पर हमले के अभियान में पाकिस्तान एक नया कनेक्शन है। हालांकि शुरु आती चुनाव से ही पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध खतरे के रूप में चिह्नित किया जाता रहा है।ताजा आरोप है कि पाकिस्तान शहजादे यानी राहुल गांधी की ताजपोशी के लिए बहुत उछल रहा है। यह चुनाव को प्रभावित करने का एकरेखीय आरोप नहीं है, जैसा कि चीन–रूस के बारे में अमेरिका का होता है।प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तान की राहुल में दिलचस्पी के दुष्परिणामों को आंतरिक और बाह्य, दोनों स्तरों पर दिखाते हैं। इससे देश में इस्लामिक जेहाद–आतंकवाद जोर पकड़ेगा, राष्ट्रीय एकता–अखंडता खंडित होगी, सुरक्षा–व्यवस्था कमजोर पड़ेगी और नागरिकों को भुगतना पड़ेगा। यह कांग्रेसी राज का दुर्भाग्यपूर्ण फिनोमिना रहा है। इससे भारत की चहुंदिस जारी वैश्विक प्रगति भी थम जाएगी। रिकॉर्ड्स पर टिके मोदी के इस आकलन से शायद ही

असहमति होगी। पाकिस्तान से दो–दो लड़ाइयां जीतने के बावजूद कांग्रेसी हुकूमत के बनिस्बत मोदी की सुरक्षा व्यवस्था निस्संदेह पुख्ता है–कश्मीर में आतंकवाद की छिटपुट वारदात के बावजूद। घर में घुस कर मारने की बात अब चेतावनी नहीं होती। इसलिए दुश्मन में दहशत पैदा करती हैं। पर क्या पाकिस्तान वास्तव में इस हालत में रह गया है कि वह आज के भारत को नुकसान पहुंचा सके? आतंक के मोर्चे पर यह आज भी सही है।

वेब सीरीज मर्डर इन माहिम का ट्रेलर जारी, आमने–सामने दिखे विजय राज और आशुतोष राणा

बॉलीवुड के दो दिग्गज कलाकार आशुतोष राणा और विजय राज जल्द ही फिजियोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज मर्डर इन माहिम में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। आज शुक्रवार को जियो सिनेमा ने सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे देख दर्शकों का उत्साह बढ़ गया। मर्डर इन माहिम को एक सामाजिक टिप्पणी माना जा रहा है, जो खौफनाक मर्डर मिस्ट्री और मुंबई की गुत्थी को उजागर करती है, जिसमें पीटर के रूप में आशुतोष राणा और जेंडे के किरदार में विजय राज के बीच खोई हुई दोस्ती के मेल–मिलाप को दिखाया गया है।

राजनीतिः बालाकोट और बियॉन्ड की रिकॉर्ड–तोड़ सफलता के एक हफ्ते के भीतर जियो सिनेमा 10 मई को एक और मूल सीरीज मर्डर इन माहिम लॉन्च करने के लिए तैयार है। लेखक जेरी पिंटो की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित पुस्तक से अनुकूलित मनोरंजक सीरीज राज आचार्य द्वारा निर्देशित है और टिपिंग प्वाइंट फिल्म्स और जिग्स पिक्चर्स द्वारा बनाई गई है। इसमें शिवानी रघुवंशी और शिवाजी साटम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।माहिम स्टेशन पर एक भयानक हत्या की पृष्ठभूमि पर आधारित सीरीज में पीटर को इस भयावह जांच में उलझा हुआ दिखाया गया है। मुश्किलें तब बढ़ जाती हैं, जब उसका अपना बेटा सुनील इस मामले में संदिग्ध बन जाता है। इस सबके बीच पीटर और जेंडे गुप्त इच्छाओं, ब्लैकमेल और अनकहे प्यार की दुनिया में फंस जाते हैं, क्योंकि वे हत्यारे का पता लगाते हैं और रास्ते में अपने व्यक्तिगत दिक्कतों का सामना करते हैं। प्रत्येक रहस्य के खुलासे और मोड़ के साथ सीरीज एक नई रहस्य का जाल बन जा रही है।

मर्डर इन माहिम में अपनी भूमिका पर टिप्पणी करते हुए आशुतोष राणा ने कहा, जब जटिल भूमिकाओं की बात आती है तो मैं सबसे अधिक उत्साहित होता हूं। पीटर एक ऐसा किरदार है। मेरी कोशिश हमेशा यही रहती है कि मैं कुछ अलग करूं, एक अलग लुक में और मर्डर इन माहिम ने मुझे वह अवसर दिया। हत्या की जांच की जटिलताओं के बीच पीटर के आंतरिक संघर्ष ने मुझे चरित्र में गहराई जोड़ने की अनुमति दी।

सिराज और यश से अधिक आक्रमक तेज गेंदबाजी देखने की उम्मीद है – फ्लावर

बेंगलुरु ,लगभग तीन सप्ताह के बाद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में वापसी के साथ, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने आईपीएल 2024 अभियान में आज होने वाले मैच के लिए उत्साहित है। हैदराबाद और अहमदाबाद में आरसीबी की लगातार जीत का एक महत्वपूर्ण घटक उनकी आक्रमक तेज गेंदबाजी थी। मुख्य कोच एंडी फ्लावर गुजरात टाइटंस के खिलाफ आज के मुकाबले में मोहम्मद सिराज और यश दयाल जैसे खिलाड़ियों को और अधिक देखने के लिए उत्सुक हैं। आरसीबी मैच के दिन मुख्य कोच फ्लावर ने कहा कि हमारे बल्लेबाज निश्चित रूप से न केवल अच्छे बल्लेबाजी डेक पर बल्कि हमारे शानदार दर्शकों के सामने भी बीच में बल्लेबाजी करना चाहेंगे। मुझे यह देखकर आनंद आया कि हमारी तेज गेंदबाजी इकाई वास्तव में आक्रमक अंदाज में गेंदबाजी कर रही है।

टी20 क्रिकेट का एक महत्वपूर्ण पहलू बना रहेगा : गांगुली

कोलकाता ,पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि ञ्20 क्रिकेट खेल का एक अभिन्न अंग है, जो इसे आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। गांगुली को लगता है कि खेल का सबसे छोटा प्रारूप कहीं नहीं जा रहा है और यह खेल का एक महत्वपूर्ण पहलू बना रहेगा।

उन्होंने ञ्20 प्रारूप की भी प्रशंसा की और बताया कि यह क्रिकेट में इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है। गांगुली ने शुक्रवार को यहां कोलकाता में बंगाल प्रो टी20 लीग ट्रॉफी के अनावरण के दौरान ये टिप्पणी की।

बंगाल प्रो टी20 लीग ट्रॉफी का अनावरण बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली, सौरव गांगुली और पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की उपस्थिति में किया गया।गांगुली ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि यह खेल के लिए एक शानदार परिचय है। हर चीज में बदलाव अपरिहार्य है। हम में से कई लोग जिन्होंने 2–दिवसीय क्रिकेट और 4–दिवसीय क्रिकेट खेलना शुरू किया है, उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि टी20 क्रिकेट यहीं रहेगा और यह कुछ ऐसा है जो इसे आगे ले जाएगा।बंगाल प्रो टी20 लीग क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) की आधिकारिक फ्रेंचाइजी–आधारित प्रीमियर टी20 क्रिकेट लीग है।

इस बारे में मीडिया से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि यह (टी20 लीग) हर राज्य में हो रहा है। हम शायद इसमें 5–6 साल पीछे हैं। खेल खेलने का कोई भी तरीका हमेशा बहुत मददगार होगा। टी20 एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।" इन दिनों क्रिकेट का चलन है और यह सभी के लिए प्रदर्शन करने का एक बड़ा अवसर होगा।बंगाल प्रो ञ्20 लीग का बहुप्रतीक्षित उद्घाटन संस्करण 11 जून, 2024 से कोलकाता में शुरू होने वाला है, क्योंकि 8 टीमें बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं।

बॉक्स ऑफिस पर बड़े मियां छोटे मियां पर भारी पड़ रही अजय की मैदान

ईद के मौके पर सिनेमाघरों में अक्षय कुमार–टाइगर श्रॉफ की ह्यबड़े मियां छोटे मियांह्ल और अजय देवगन की ह्यमैदानह्ल रिलीज हुई थी. दोनों फिल्मों के बज को देखते हुए लग रहा था कि ये साल 2024 की सबसे बड़ी हिट साबित होंगी. लेकिन इन दोनों की परफॉर्मेंस बॉक्स ऑफिस पर बेहद खराब रही है. दोनों ही फिल्में रिलीज के तीन हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर कमाई के लिए स्ट्रगल कर रही है. चलिए यहां जानते हैं ह्यबड़े मियां छोटे मियांह्ल और ह्यमैदानह्ल ने रिलीज के 23वें दिन कितनी की कमाई?

अब्बास जफर के निर्देशन में बनी ह्यबड़े मियां छोटे मियांह्ल में हाई–ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस से लेकर कॉमेडी और रोमांस सब कुछ डाला गया था. हर किसी को उम्मीद थी कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा देगी. लेकिन ईद जैसे त्योहार पर रिलीज होने के बावजूद इस फिल्म ने बेहद कम कमाई की.हालांकि फिल्म ने पहले हफ्ते में 49.9 करोड़ का कलेक्शन किया. जिसके बाद लगने लगा था कि फिल्म अपना बजट तो निकाल ही लेगी. हालांकि रिलीज के दूसरे हफ्ते में फिल्म की कमाई का ग्राफ गिरता चला गया और इसके सेकंड वीक का कलेक्शन 8.6 करोड़ रुपये रहा.इसके बाद फिल्म की तीसरे हफ्ते की कमाई महज 3.9 करोड़ रुपये रही. वहीं अब ये फिल्म रिलीज के चौथे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है और इसके चौथे फ्राइडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक ह्यबड़े मियां छोटे मियांह्ल ने रिलीज के 23वें दिन यानी चौथे फ्राइडे 30 लाख की कमाई की. इसी के साथ बड़े मियां छोटे मियां का 23 दिनों का कुल कलेक्शन अब 62.70 करोड़ रुपये हो गया है.

पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लू का टीजर जारी

पावर स्टार पवन कल्याण की आने वाली फिल्म हरि हर वीर मल्लू का टीजर रिलीज हो गया है। यह उनकी पैन इंडिया फिल्म है, जिसका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। टीजर के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया गया है। फिल्म को इसी साल रिलीज किया जाएगा।

हालांकि, इसकी तारीख को लेकर निर्माताओं की ओर से कोई खुलासा नहीं किया गया है। फिल्म निर्माताओं की ओर से 30 अप्रैल को घोषणा की गई थी कि हरि हर वीर मल्लू का टीजर रिलीज कर दिया जाएगा। पवन के फैंस तभी से उनकी झलक देखने के लिए बेताब हो रहे थे।

लाईव शो में भडके सुनील गावस्कर, इस बात को लेकर लगा दी विराट कोहली और चैनल की क्लास

नई दिल्ली ,आईपीएल 2024 में विराट कोहली की परफार्मेंस को लेकर चल रहे इंटरव्यू से महान भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को भडक़ा दिया। गावस्कर का ये गुस्सा विराट कोहली पर तो निकला ही लेकिन उससे ज्यादा वो टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स पर भडक़ गए और मैच से पहले चैनल के ही लाइव शो में जमकर खरी–खोटी सुना दी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच शनिवार 4 मई को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच से पहले गावस्कर का ये गुस्सा फूटा। संयोग से विराट कोहली का ये इंटरव्यू भी दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मैच के बाद ही आया था। अहमदाबाद में खेले गए उस मुकाबले में कोहली ने 44 गेंदों में 70 रनों की नाबाद पारी खेली थी और टीम को जीत तक पहुंचाया था। कोहली ने इस मैच में स्पिनरों को जमकर निशाना बनाया था। इस मैच से ठीक पहले सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोहली ने 43 गेंदों में सिर्फ 51 रन ही बनाए थे, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 118 का था। इसके बाद कमेंटेटर्स से लेकर फैंस तक ने कोहली की जमकर आलोचना की थी और उनकी धीमी बैटिंग पर सवाल खड़े किए थे, फिर बेंगलुरु की जीत और अपनी दमदार पारी के बाद कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ इंटरव्यू में अपनी भड़ास निकाली थी।

एक नजर

मालन पुल निर्माण नहीं होने पर पूर्व सैनिकों ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पूर्व सैनिक परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मालन पुल निर्माण कार्य का आरंभ नहीं होने पर रविवार को रोष जताया। कहा कि प्रदेश सरकार इस संबंध में उदासीन रवैया अपनाए हुए है, जिसका खामियाजा भाबर क्षेत्र के लोगों को एक बार फिर भुगतना पड़ सकता है।शनिवार को अपर कालाबड़ स्थित कार्यालय में आयोजित परिषद की बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मालन पुल को टूटे एक साल होने वाला है। लेकिन प्रदेश सरकार की ओर से पुल की मरम्मत को लेकर टेंडर जारी करने के अलावा कुछ कार्य नहीं किया गया है। अब दो महीने बाद बरसात का मौसम फिर से आने वाला है। ऐसे में भाबर वासियों को फिर से लंबी दूरी तय करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। कहा कि जनप्रतिनिधियों का उदासीन रवैया भाबर क्षेत्र की जनता पर भारी पड़ सकता है। इसलिए बरसात से पूर्व पुल की मरम्मत की जानी चाहिए। बैठक में अध्यक्ष जीके बड़थ्वाल, सीपी डोबरियाल, अनूप बिष्ट, सुरेश रावत, संजय असवाल, विनोद ध्यानी, अजय नेगी, रामप्रकाश बड़थ्वाल, राजे सिंह नेगी, मनमोहन रावत और अनुराग नेगी आदि थे।

70 मरीजों के स्वास्थ्य की हुई जांच, निशुल्क दी दवाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः दिव्या फाउंडेशन एंड आयुर्वेदिक चिकित्सा ट्रस्ट की ओर से लूथापुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 70 मरीजों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। जरुरतमंदों को निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाई।

शिविर का शुभारंभ ट्रस्ट के अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा ने किया। सर्वप्रथम डा.भूमेश्वरी शर्मा ने शिविर में आए मरीजों के शुगर, ब्लड प्रेशर, गठिया व पेट संबधित बीमारियों की जांच की। तत्पश्चात मरीजों को निश्शुल्क दवाइयां वितरित की गई। डाक्टरों ने मरीजों को सफाई का विशेष ध्यान रखे जाने के लिए प्रेरित किया। कहा गर्मियों के मौसम में पेट की बीमारियां होने की संभावना अधिक रहती है, ऐसे में बासी भोजन खाने से बचना चाहिए। पानी को उबाल कर पीने की भी सलाह दी है।

वनाग्नि की चपेट में आने से झुलसी महिला, एम्स में इलाज के दौरान मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः पर्वतीय क्षेत्रों में आग लगातार विकराल होती जा रही है। पौड़ी क्षेत्र के परखुंडे में आग की चपेट में आने से झुलसी एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। राजस्व उप निरीक्षक (आरएसआई) राजेंद्र सिंह ने बताया कि बीते शनिवार को थापली गांव के जंगल में आग लगी थी। इसी बीच आग तेजी से खेतों की ओर होते हुए घर के समीप परखुंडे तक पहुंच गई। आग को परखुंडे की ओर आते देख सावित्री देवी (65) घास को उतारने लगी। तभी तेज हवा चली और घास ने आग पकड़ ली। पति कृपाल सिंह व अन्य परिजनों से आग को बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन महिला काफी झुलस चुकी थी। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां उसकी गंभीर हालत को देखकर चिकित्सकों ने ऋषिकेश एम्स रेफर कर दिया। बताया कि देर रात महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। आरएसआई राजेंद्र सिंह के मुताबिक, दैवीय आपदा के चलते मौत होने पर महिला के परिजनों को आपदा मद से आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सर्वे तक अटकी सड़क, ग्रामीणों में रोष

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः विकासखंड कीर्तिनगर के ग्राम पंचायत धारपंयाकोटी के कुनियाड़ गांव को सड़क से जोड़ने का कार्य मात्र सर्वे तक ही सीमित है। लोक निर्माण विभाग ने अब तक करीब चार बार मोटर मार्ग निर्माण के लिए सर्वे किया है, लेकिन आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। क्षेत्र के रघुवीर सिंह पंवार ने बताया कि कुनियाड़ गांव और रतकाली तोक में करीब 40 से अधिक परिवार हैं। गांवों के लोगों को मोटर मार्ग से अपने गांव तक पहुंचने के लिए करीब तीन किमी की खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। पंवार ने बताया कि वर्ष 2017 से लोक निर्माण विभाग मोटर मार्ग निर्माण के लिए करीब चार बार सर्वे कर चुका है, लेकिन आज तक निर्माण को स्वीकृति नहीं मिल पाई है। एई मनीष कुमार का कहना है कि मार्ग निर्माण के लिए पहले जो सर्वे हुआ उसके अनुसार मार्ग पर अधिक पेड़ आ रहे हैं। अब फिर से मार्ग के एलाइनमेंट को बदल कर सर्वे किया है। स्वीकृति के लिए शासन को भेजा गया है।

भीषण गर्मी भी नहीं रोक पाई भक्तों की राह, श्री सिद्धबली मंदिर में लगा तांता

कोटद्वार के श्री सिद्धबली मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रविवार को श्री सिद्धबली मंदिर में उमड़ी रही भक्तों की भीड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सुबह दस बजे के बाद चिलचिलाती धूप में घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में तपती धूप व भीषण गर्मी भी सिद्धबली दर्शन को आने वाले भक्तों की राह नहीं रोक पाई।

रविवार को सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। मंदिर में भजन संध्या के साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

श्री सिद्धबली बाबा से सैकड़ों भक्तों की आस्था जुड़ी हुई है। यही कारण है कि यहां प्रति दिन हजारों की संख्या में भक्त बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं। रविवार को भीषण गर्मी व धूप की तपिस होने के बाद भी मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा हुआ था। परिवार के साथ पहुंचे भक्तों ने बाबा सिद्धबली से अपने परिवार के लिए सुख–शांति की कामना की। मंदिर में भक्तों ने भजन संध्या के साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। मंदिर दर्शन को पहुंचे भक्तों के लिए विशेष भंडारे का भी आयोजन किया गया था। भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए भी भक्तों की लंबी कतार लगी हुई थी। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए मंदिर समिति व पुलिस को काफी पसीना बहाना पड़ा। वहीं, सिद्धबली मंदिर से सनेह को जाने वाले मार्ग पर बेतरतीब पार्क हुए वाहनों से जाम की स्थिति देखने को मिली। यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए पीआरडी जावानों की ड्यूटी लगाई गई थी।

लकड़ियों पर लगी आग, जीप भी जलकर हुई खाक

कोटद्वार के लकड़ीपड़ाव में आग पर काबू पाने का प्रयास करती दमकल टीम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लकड़ीपड़ाव में एक खेत में रखी लकड़ियों में आग लगने से एक जीप जलकर खाक हो गई। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

घटना शनिवार रात की है। दमकल विभाग को सूचना मिली कि लकड़ीपड़ाव स्थित एक मैदान में पड़ी लकड़ियों पर आग लग गई है। देखते-देखते आग इतनी विकराल हुई थी। पास में खड़ी एक जीप तक पहुंच गई। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन, तब तक जीप पूरी तरह जल चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के पुख्ता कारणों का पता नहीं चल पाया है। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। दरअसल, जिस स्थान पर आग लगी उसके आसपास लकड़ियों के गौदाम भी थी। साथ ही आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में आबादी भी रहती है।

युवती बनकर शिक्षक से की दोस्ती, लाखों की ठगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सोशल मीडिया पर युवती बन शिक्षक से 3.54 लाख रुपये ठगी का मामला प्रकाश में आया है। शिक्षक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस कोटद्वार को एक शिक्षक ने तहरीर सौंपी। शिक्षक ने बताया कि बीते 22 फरवरी की रात को उनकी सोशल मीडिया पर एक युवती से दोस्ती हो गई। दोस्ती के कुछ दिन बाद एक युवक का मैसेज आया कि उसका एक अश्लील वीडियो सोशल मीडिया (यू-ट्यूब) पर अपलोड किया गया है। समस्या के समाधान के लिए उसने दिल्ली साइबर सेल के एक व्यक्ति से बात करने कहा। तब ठग ने उस व्यक्ति से वीडियो डिलिट करने के नाम पर गूगल पे के माध्यम से पहले 31 हजार 900 उसके खाते में जमा करने को कहा। शिक्षक ने पैसे जमा कर दिए। शिक्षक ने समय–समय पर ठग को कुल 3 लाख 54 हजार 400 की धनराशि दे दी। इसके बाद ठग ने शिक्षक को वीडियो डिलीट करने की सूचना एक पत्र के माध्यम से दी लेकिन बीते 5 मई को एक बार फिर शिक्षक को उस व्यक्ति ने फोन कर एक युवती की ओर से उसका वीडियो किसी अन्य सोशल मीडिया अकाउंट से अपलोड करने की बात कही। शिक्षक ने तहरीर में ब्लैकमेल से परेशान होने पर कानूनी कार्रवाई की मांग की। कोतवाली कोटद्वार के एसएसआई जयपाल चौहान ने बताया कि तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी अनजान कॉल को रिसीव ना करने और अनजान से दोस्ती न करने का आह्वान किया।

धूमधाम से मनाया गया मां कालिंका मेला

नई टिहरी। रानीचौरी चंबा में रविवार को मां कालिंका मेले को धूमधाम से मनाया गया। मेले में स्थानीय लोगों ने मेल–मिलाप करने के साथ ही जमकर खरीदारी की। रविवार को चंबा ब्लॉक के रानीचौरी में आयोजित मां कालिंका मेले में लोगों की जमकर भीड़ उमड़ी। मेले में बच्चों और महिलाओं के लिए मनोरंजन के साधन झूले, चर्खी सहित अन्य सामान लगाया गया था। महिलाओं ने मेले में खूब खरीदारी की। मेला समिति के संरक्षक सुशील बहुगुणा ने मेले का शुभारंभ करते हुए कहा कि मेले और थौल आपसी मेलजोल के साधन हैं। सरकार पौराणिक मेलों के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। कहा कि मेले में विभिन्न सामान उचित रेट पर मिल जाता है। जिससे ग्रामीणों को काफी लाभ मिलता है।

रूपचंद्र लखेड़ा को मिला बीड्स सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

जिला संगठन आयुक्त रूपचंद्र लखेड़ा को प्रशस्ति पत्र देती राज्य मुख्य आयुक्त सीमा जौनसारी

कोटद्वारः हिमालयन वुड बैज का प्रशिक्षण लेने के बाद भारत स्काउट एवं गाइड के जिला संगठन आयुक्त रूपचंद्र लखेड़ा को बीड्स सम्मान से नवाजा गया। इस दौरान उन्हें बेहतर कार्यों के लिए प्रशस्त्रि पत्र भी प्रदान किया गया।

भारत स्काउट एवं गाइड की प्रदेशिक संस्था की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पहले स्काउट एवं गाइड ने भाग लिया। जिला संगठन आयुक्त रूपचंद्र लखेड़ा ने बताया कि राज्य प्रशक्षण आयुक्त राम सिंह नेगी ने उन्हें बीड्स सम्मान दिया। स्काउट के सर्वोच्च प्रशक्षण हिमालयन वुड बैज के बाद बीड्स सम्मान देने की परंपरा लार्ड बेडेन पाबेल ने प्रारंभ की की थी। कार्यक्रम के दौरान उन्हें राज्य मुख्य आयुक्त एवं पूर्व शिक्षा निदेशक सीमा जौनसारी ने प्रशस्त्रि पत्र भी दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय स्तर पर स्काउटिंग आंदोलन को गतिशील करने के लिए भी चर्चा की गई। बताया कि स्काउट एवं गाइड का उद्देश्य नवयुवकों की पूर्ण शरीरिक, मानसिक, बौद्धिक, समाजिक व आध्यामिक क्षमताओं का विकास करना है। इसके लिए जिले में लगातार अभियान भी चलाए जाते हैं।

योग को जन-जन तक पहुंचाने का लिया निर्णय

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भारत स्वाभिमान न्यास पतंजलि योग समिति की ओर से योग व आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को भी लेकर चर्चा की गई। कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी योग दिवस धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

भारत स्वाभिमान न्यास पतंजलि योग समिति की मासिक बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। सर्वप्रथम राज्य कार्यकारिणी का सदस्य बनने पर भगवती प्रसाद का फूलमालाओं के साथ स्वागत किया गया। तत्पश्चात आजीवन सदस्यता ग्रहण करने वाले सदस्यों का स्वागत किया गया, साथ ही विगत वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया गया। सदस्यों ने 21 जून को आयोजित होने वाले योग दिवस को उल्लास के साथ मनाए जाने पर विस्तृत चर्चा की। कहा कि योग दिवस को भव्य रूप में मनाने के लिए नियमित कक्षाएं संचालित की जाएगी, प्रत्येक विद्यालय में जाकर छात्रों को भी योग सिखाया जाएगा। साथ ही आयुर्वेद व स्वदेशी का भी प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस मौके पर जिला प्रभारी दिनेश जुयाल, विजय भाटिया, चंद्र किशोर असवाल, जितेंद्र काला, डा. रवि नेगी, विजय पाल, रजनी अग्रवाल, महेंश आंनद कंडवाल, कमल थापा, शशि भूषण अमोली मौजूद रहे।

स्कूल प्रबंधक पर मनमानी का आरोप, जांच की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। ब्लॉक एकेश्वर में एक विद्यालय के प्रबंधक पर ग्रामीणों और अभिभावकों ने मनमानी का आरोप लगाया है। कहा कि स्कूल में शिक्षकों की कमी के बाद भी यहां से शिक्षकों का तबादला कर दिया गया। उन्होंने कुल 8 बिंदुओं का शिकायती पत्र सीईओ को सौंपा और कार्रवाई की मांग की। वहीं सीईओ ने मामले की जांच बीईओ एकेश्वर को सौंपी दी।ब्लॉक एकेश्वर के जनता इंटर कॉलेज सुरखेत की नई प्रबंध समिति के गठन को लेकर बीते 23 अप्रैल को समाचारपत्र में एक विज्ञप्ति प्रकाशित हुई थी। इसको लेकर ग्रामीणों व अभिभावकों ने नाराजगी जताई। कहा कि स्कूल की वर्तमान प्रबंध समिति के प्रबंध ने बिना कार्यकारिणी के बैठक व प्रधानाचार्य के संज्ञान में लाए ही नई प्रबंध समिति के गठन के लिए सदस्य बनाए जाने को लेकर विज्ञप्ति प्रकाशित करा दी। स्वयं प्रबंधक ही आवेदनपत्र वितरित कर रहे हैं जबकि वह स्वयं प्रबंधक पद के उम्मीदवार हैं। स्कूल में दो पीटीए शिक्षक तैनात हैं जिनके मानदेय का पूरा भार भी अभिभावकों पर ही डाला जा रहा है। बताया कि बीते 29 अप्रैल को विद्यालय में पीटीए व एसएमसी की बैठक हुई, जिसमें अभिभावकों ने उक्त मुद्दों पर प्रबंधक से कई सवाल किए लेकिन उन्हें सही जवाब नहीं दिया गया। साथ ही बीईओ की ओर से भेजे गए पर्यवेक्षकों को भी लौटा दिया था। वहीं सीईओ दिनेश चंद्र गौड़ ने कहा कि मामले में बीईओ एकेश्वर को जांच अधिकारी नामित कर 15 दिनों में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

देवप्रयाग में गुलदार के हमले में स्कूटी सवार दंपति घायल

नई टिहरी। रविवार सुबह को चाका से देवप्रयाग आ रहे स्कूटर सवार दंपति पर गुलदार ने सीएचसी बागी के निकट अचानक हमला कर दिया।

गुलदार के हमले से स्कूटर सवार दंपति अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दोनों घायलों को सीएचसी बागी में प्राथमिक उपचार के बाद श्रीनगर बेस अस्पताल रेफर कर दिया गया।

थाना प्रभारी महिपाल सिंह रावत ने बताया कि रविवार सुबह तड़के पांच बजे पाली कुलसारी गांव निवासी 60 वर्षीय शेर सिंह अपनी पत्नी 50 वर्षीय सुशीला देवी के साथ स्कूटर में देवप्रयाग आ रहे थे। इस दौरान सीएचसी बागी के निकट मोड़ पर अचानक झाड़ियों में छिपे गुलदार ने उन पर हमला बोल दिया। गुलदार द्वारा शेर सिंह के पैर पर झपट्टा मारने से उनका स्कूटर सड़क पर पलट गया। जिससे उनका सिर सड़क पर टकरा गया।

न्यू हरिद्वार कॉलोनी में जबरन गेट लगाने पर लोगों का प्रदर्शन

हरिद्वार। न्यू हरिद्वार कॉलोनी के सार्वजनिक मार्ग पर गेट लगाकर अतिक्रमण करने से कॉलोनीवासियों ने रोष है। रविवार को बड़ी संख्या में कॉलोनी की महिलाओं और युवाओं ने गेट हटाने की मांग को लेकर नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। आरोप है की नगर निगम के अधिकारी सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं। कॉलोनी के मार्ग से गेट का अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा है। चेतावनी दी की सार्वजनिक मार्ग से गेट नहीं हटाने पर नगर निगम परिसर में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।रानीपुर मोड़ के पॉश क्षेत्र न्यू हरिद्वार कॉलोनी के करीब 400 परिवार नगर निगम की सार्वजनिक मुख्य सड़क पर अतिक्रमण कर गेट लगाने से परेशान हैं। सड़क पर गेट लगने के बाद से कॉलोनी के लोगों को जरूरी कार्यों के लिए चंद्राचार्य चौक का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। गेट लगने के बाद कॉलोनी में सब्जी और दूध वाले भी नहीं पहुंच पा रहे हैं। कई बुजुर्गों ने कॉलोनी में दुकान खोली है। बुजुर्गों की आजीविका भी गेट लगने के बाद ठप हो गई है।

स्थानीय निवासी शिवम विश्नोई, राम बाबू बंसल, सिद्धार्थ, अनिल झांब, मोहित विश्नोई आदि ने कहा कि सार्वजनिक मार्ग पर गेट लगाना गलत है। इससे गुस्साए लोगों ने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया है। उन्होंने तत्काल गेट हटाने की मांग की है।

आर्य समाज की विचारधारा को जनजन तक पहुंचाने का आह्वान

हरिद्वार। इंद्रलोक सामुदायिक केंद्र में रविवार को आर्य समाज इंद्रलोक सिडकुल के द्वार्षिक वार्षिकोत्सव का शुभारंभ ग्यारह कुंडीय यज्ञ के साथ हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा पतंजलि विवि के प्रति कुलपति प्रो. महावीर और आचार्य योगेन्द्र मेघावी रहे। यज्ञ के बाद आर्य भजनोपदेशक रामकिशन आर्य ने भजनों के माध्यम से स्वामी दयानन्द संरस्वती के चरित्र एवं आर्य समाज पर सुन्दर प्रस्तुति दी। वक्ताओं ने आर्य समाज की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि आचार्य अनुज शास्त्री ने स्वामी दयानंद सरस्वती और आर्य समाज की विचारधारा को जनजन तक पहुचाने का आह्वान किया। उत्तराखंड संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती ने वैदिक सनातन धर्म को पुर्नजीवित करने करने का कार्य किया है। इस अवसर पर आचार्य सुनील शास्त्री, विजय पाल सिंह, प्रो. महावीर, आचार्य योगेन्द्र मेघावी, प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, विनीत सचदेवा, प्रेमचंद सैनी, आशू, मीनू सैनी, जसवती, नीलम, दिनेश, सूर्य प्रकाश, रणवीर सिंह, रकम सिंह, योगेन्द्र पाल सिंह राणा, ऋषिपाल आदि मौजूद थे।

एसपी ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। पुलिस अधीक्षक डा. विशाखा अशोक भदाणे ने रविवार को अगस्त्यमुनि क्रीड़ा कांप्लेक्स अगस्त्यमुनि में बनाए गए स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था निरीक्षण किया। साथ ही जवानों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्ट्रांग रूम में किसी भी बाहरी तथा अनाधिकृत व्यक्ति के आवागमन को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रखने के निर्देश दिए। लोकसभा सामान्य निर्वाचन मतदान संपंन होने के बाद ईवीएम मशीनों को अगस्त्यमुनि में स्थापित स्ट्रांग रूप में सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी में सुरक्षित रखा है।

होनहारों को सम्मान देकर प्रोत्साहित किया

नई टिहरी। मैती मिलन परिवार ने रविवार को बौराड़ी के एक निजी होटल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर नगर के सरकारी स्कूलों के होनहारों और उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हेमलता भट्ट और मैती मिलन परिवार के संरक्षक अनुसूया नौटियाल सहित अन्यों ने दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि डायट प्राचार्य हेमलता भट्ट ने कहा कि मैती मिलन परिवार का यह प्रयास सराहनीय है। होनहारों को प्रोत्साहित करने का काम किया जाना जरूरी है। जबकि नौटियाल ने कहा कि मैती मिलन का परिवार का प्रयास है कि नगर की शून्यता को भरने के लिए मैती मेले सहित सांस्कृतिक व पौराणिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाये। इसके साथ ही होनहार छात्रों व उनके पीछे प्रयास करने वाले परिजनों को सम्मानित करने की काम भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में नगर के दर्जनभर से अधिक स्कूलों के दो सौ से अधिक होनहारों सहित अभिभावकों और अध्यापकों को सम्मानित करने का काम किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन सतीश थपलिया ने किया। इस मौके पर राखी राणा, शैलेंद्र चमोली, रोशन लाल, जीत राम भट्ट, तौफीक अहमद, आरडी बिजल्वाण, एडवोकेट राजपाल मियां, डा. सीमा नौटियाल, विजय लक्ष्मी आदि शामिल रहे।

कीर्तिनगर में राष्ट्रीय स्वंयसेवकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाखणी कीर्तिनगर में आयोजित तीन दिवसीय प्रारम्भिक वर्ग के प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। जाखणी विद्या मंदिर में हुए कार्यक्रम में कीर्तिनगर खंड, देवप्रयाग, हिंडोलाखाल, गजा व व्यासी खंड के स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रारम्भिक वर्ग में 30 व्यवसायिक स्वयंसेवी को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला संघ चालक देवप्रयाग सुरेश कोटियाल ने कहा कि संघ शिक्षा प्रणाली से ऐसी युवा पीढ़ी का स्वस्थ निर्माण हो सके, जो हिंदुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रीय भक्ति से ओत–प्रोत, शारीरिक प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक,आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित व जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके। मौके पर टिहरी विभाग शारीरिक प्रमुख मोहन कुमाई, विभाग प्रचारक टिहरी पारस, महेन्द्र बंगवाल, विधायक विनोद कंडारी, मनीष,शिवमूर्ति, विशाल राणा, पंकज उनियाल, रणजीत जाखी, राजेंद्र नेगी, संतोष मौजूद थे।

लघु व्यापार एसोसिएशन के शहर अध्यक्ष बने सुनील

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन संगठन ने रविवार को पदाधिकारियों का चयन किया। प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने सुनील कुकरेती को शहर अध्यक्ष नियुक्त किया है। साथ ही पं. मनीष शर्मा को महामंत्री, कमल शर्मा को कोषाध्यक्ष, सुशांत को उपाध्यक्ष, नंदकिशोर को मंत्री और नीरज, शुभम कुमार, धर्मपाल सिंह, रिंकू, वीरेंद्र, श्याम सिंह आदि को सदस्य नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का प्रांतीय अध्यक्ष संजय, प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र राजपूत और प्रदेश महामंत्री मनोज मंडल ने स्वागत किया। मौके पर पूनम माखन, नम्रता सरकार, विजय गुप्ता, प्रभात, गोलू, श्याम जीत, चंदन रावत, बालवीर गुप्ता, जय सिंह बिष्ट आदि लघु व्यापारी मौजूद रहे।

कर्णप्रयाग में पानी न आने से परेशान लोग

चमोली। रविवार को कर्णप्रयाग में कालेश्वर औक घटगाड़ की पेयजल लाइन पर पानी न आने से लोग परेशान रहे। ऐसे में शक्तिनगर, राजनगर, पुजारीगांव और देवतोली के सैकड़ों लोगों ने नदी व जलस्त्रोतों से पानी लाकर काम चलाया। अनुज डिमरी, दिनेश थपलियाल और जितेंद्र पंवार ने कहा कि कर्णप्रयाग में घटगाड़ पेयजल योजना से अपर बाजार, तहसील कॉलोनी, सुभाषनगर व सांकरीसेरा में पानी की आपूर्ति की जाती है। वहीं, कॉलेश्वर की लाईन से शक्तिनगर, राजनगर, पुजारीगांव, देवतोली व बस स्टेशन मोहल्ले को पानी मिलता है, लेकिन रविवार को दोनों लाइनों पर पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई। हालांकि घटगाड़ गदेरे वाली योजना से बाद में काफी कम पानी की आपूर्ति हुई, जो लोगों के लिए पर्याप्त नहीं हो पाई। जिससे नगर हजारों को लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

युवक का शव बरामद

हरिद्वार। प्रेमनगर पुल के पास से गंगनहर को पार करते समय शनिवार को डूबे ऋषभ असवाल का शव पथरी पावर हाउस से रविवार को बरामद किया गया। गैस प्लांट चौकी पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया।

एक नजर

बैराज कर्मियों ने युवक की जान बचाई

हरिद्वार। भीमगोड़ा बैराज पुल पर तैनात कर्मचारियों ने बहकर आ रहे एक युवक की जान बचा ली। बैराज कर्मियों ने युवक को रस्सी के सहारे गंगा से बाहर निकाल लिया। सोशल मीडिया पर बचाव कार्य का वीडियो जारी होने पर आमजन बैराज कर्मियों की सूझबूझ को सराह रहे हैं। रविवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वॉयरल हुआ। भीमगोड़ा बैराज के इस वीडियो में रस्सी के सहारे एक युवक को बैराजकर्मी बाहर निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। संभवत गंगा में नहाते समय युवक तेज बहाव की चपेट में आ गया होगा। बैराज कर्मियों ने युवक को बाहर निकालकर उसे भेज दिया। रोड़ी बेलवाला चौकी प्रभारी यशवीर सिंह नेगी ने बताया कि इस तरह का मामला उनके संज्ञान में नहीं है। बैराज कर्मियों से इस संबंध में जानकारी ली जाएगी। युवक का नाम पता जुटाया जाएगा।

पत्नी ने पिता के साथ मिलकर पति को पीटा

हरिद्वार। पत्नी ने अपने पिता और परिचितों के साथ मिलकर अपने पति की पिटाई कर दी। पति की शिकायत पर रविवार को रानीपुर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना शिवालिक नगर की है। पुलिस को दी गई शिकायत में राहुल चौधरी निवासी एडी–ए 58 प्रथम तल करिश्मा मार्ट के पीछे शिवालिक नगर ने बताया कि उसका विवाह पिछले साल तीन मई को शशि चौधरी के साथ मथुरा यूपी में हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद पत्नी ने उसके एवं उसके परिजनों के साथ अभद्रता करनी शुरू कर दी। समझाने बुझाने के बाद भी आए दिन वह विवाद करती रहती थी। आरोप है कि पत्नी ने कुछ परिचितों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी और उसके अगले ही दिन उसके पिता राजबहादुर ने परिचितों के साथ मिलकर उसे पीटा। आरोप है कि ससुर उसकी पत्नी को साथ ले गए, जो जाते जाते नगदी और जेवरात भी ले गई। आरोप है कि उन्होंने झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी भी उसे दी। कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि पति की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

चार दिन पूर्व गंगा में डूबे पिता और पुत्र के शव बरामद

ऋषिकेश।ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मालाखुंटी के समीप चार दिन पूर्व गंगा में डूबे पिता और पुत्र के शव पुलिस ने बरामद कर लिए हैं।

बीते गुरुवार दो अप्रैल को सेलाकुई देहरादून निवासी संजय थापा (52 वर्ष) अपने परिवार के साथ देवप्रयाग से देहरादून की लौट रहे थे। अपराह्न करीब 3:30 बजे वह रास्ते में मालाखुंटी पुल के पास पौड़ी की ओर नदी में नहाने लगे। नहाते समय आशीष थापा (23 वर्ष) पुत्र संजय थापा नहाते वक्त गंगा में डूबने लगा। बेटे को बचाने के लिए गंगा में कूदे संजयः संजय थापा बेटे को बचाने बचाने के लिए गंगा में कूद गए, वह भी गंगा में डूब गए। इस दौरान संजय थापा की पत्नी सरिता थापा और दूसरा पुत्र दिव्यऋषि थापा भी मौके पर ही मौजूद थे। एसडीआरएफ की टीम घटना के बाद से ही गंगा में डूबे पिता और पुत्र की तलाश में जुटी थी।

रविवार की दोपहर बाढ़ आपदा राहत दल के सदस्यों ने पिता पुत्र के शव से शिवपुरी के समीप गंगा से बरामद कर लिया। दोनों शव स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिए गए हैं।

सीएमओ ने धौंतरी व मानपुर में स्वास्थ्य सुविधाएं देखीं

उत्तरकाशी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बीएस रावत ने केदारनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धौंतरी एवं मानपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सा इकाइयों में तैनात चिकित्सा अधिकारियों को स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व चिकित्सा इकाइयों में सारी व्यवस्थाएं चाक–चौबन्द कर ली जाएं।

आवश्यक जीवनरक्षक औषधियां, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कन्संटेटर, आवश्यक उपकरण व स्टॉफ की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। सीएमओ के निर्देश पर नोडल अधिकारी यमुना वैली चारधाम यात्रा डॉ आरसी आर्य ने यमुनोत्री यात्रा मार्ग तथा प्रभारी चिकित्सा अधिकारी भटवाड़ी डॉ वेदप्रकाश ने गंगोत्री यात्रा मार्ग पर स्थित सभी चिकित्सा स्वास्थ्य केंद्रों निरीक्षण किया।

डॉ आर्य ने जानकीचट्टी में नव निर्मित चिकित्सालय व रेजीडेंस को लेकर संबंधित कार्यदायी संस्था के ठेकेदार को रंग–रोगन, विद्युत एवं पानी की आपूर्ति आदि गतिमान कार्यों को समय से पूरा करने को कहा।

हिमश्री फाउंडेशन ने गरीब बच्चों को बांटी शिक्षक सामग्री, भविष्य में भी अभियान जारी रखने का लिया संकल्प

देहरादून। लगातार चलने वाले अभियान के तहत आज फिर एक बार हिम श्री फाउंडेशन के द्वारा बच्चों की शिक्षण सामग्री वितरित की गई। हिमश्री ने रेसकोर्स स्थित अमरीक हाल में कार्यक्रम आयोजित कर इन बच्चों को सामग्री वितरित की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुशील शर्मा ने सभी बच्चों को आर्शीवाद दिया और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी।

सर्वप्रथम हिमश्री के ट्रस्टी सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि शुशील शर्मा व उनकी धर्मपत्नी व विशिष्ट अतिथि निवर्तमान पार्षद देवेन्द्र पाल मोन्टी कोहली और रितेश शर्मा का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

इसके पश्चात संस्था के कार्यों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में हिमश्री फाउण्डेशन को इस कार्य के लिए बधाई दी गयी और इस मुहिम को लगातार जारी रखने में अपने योगदान का आश्वासन दिया गया। उन्होंने सभी बच्चों को शिक्षा के महत्व के विषय में जानकारी देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि मोन्टी कोहली ने कहा कि हिमश्री जो काम कर रही है आज के भौतिकतवादी युग में इस तरह का काम करने के लिए कई बार सोचना पड़ता है। इस तरह के काम से हिमश्री उन बच्चों को शिक्षा की रोशनी दे रहा है जिन बच्चों के अभिभावक बच्चों की शिक्षा का खर्च नहीं उठा पाते हैं और उनके बच्चे मेधावी होते हुए भी पढ़ नही पाते हैं। उन्होंने हिमश्री के सदस्यों को इस कार्य के लिए बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनायें।

बैराज कर्मियों ने युवक की जान बचाई

हरिद्वार। भीमगोड़ा बैराज पुल पर तैनात कर्मचारियों ने बहकर आ रहे एक युवक की जान बचा ली। बैराज कर्मियों ने युवक को रस्सी के सहारे गंगा से बाहर निकाल लिया। सोशल मीडिया पर बचाव कार्य का वीडियो जारी होने पर आमजन बैराज कर्मियों की सूझबूझ को सराह रहे हैं। रविवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वॉयरल हुआ। भीमगोड़ा बैराज के इस वीडियो में रस्सी के सहारे एक युवक को बैराजकर्मी बाहर निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। संभवत गंगा में नहाते समय युवक तेज बहाव की चपेट में आ गया होगा। बैराज कर्मियों ने युवक को बाहर निकालकर उसे भेज दिया। रोड़ी बेलवाला चौकी प्रभारी यशवीर सिंह नेगी ने बताया कि इस तरह का मामला उनके संज्ञान में नहीं है। बैराज कर्मियों से इस संबंध में जानकारी ली जाएगी। युवक का नाम पता जुटाया जाएगा।

वीकेंड में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ देख खिले व्यापारियों के चेहरे

हरिद्वार। हरिद्वार में रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। हरकी पैड़ी के गंगा घाट पर सुबह से ही श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाते दिखे। गंगा घाटों पर सुबह से शाम तक स्नान करने वालों का सिलसिला जारी रहा। मोती बाजार, बड़ा बाजार, अपर रोड बाजार आदि में यात्रियों की भीड़ रही।

हरकी पैड़ी के आसपास की पार्किंग पर भी वाहनों का जमावड़ा लगा रहा। बाजारों में भी लोगों ने खूब खरीदारी की। गर्मी का सीजन शुरू होते ही शनिवार और रविवार को आसपास के राज्यों से श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं। जिसके चलते हरकी पैड़ी के गंगा घाटों और आसपास के बाजार श्रद्धालुओं से गुलजार हो जाते हैं। रविवार को दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राज्य के अलग–अलग जिलों से श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे। रविवार के अवकाश के चलते हरिद्वार के गंगा घाट श्रद्धालुओं से और पार्किंग वाहनों से भरी रही। सुबह से ही गंगा घाटों पर गंगा मैया के जयकारे गूंजते रहे। साथ ही साथ हरकी पैड़ी के निकट के बाजार मोती बाजार, बड़ा बाजार, अपर रोड बाजार,विष्णु घाट और रामघाट बाजार में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने बाजार से जमकर खरीदारी की। हरिद्वार बाजार के व्यापारी आशुतोष वर्मा, गोपाल, भुवनेश, मुन्ना, आनन्द मेहरा, सुमित, संजीव, राहुल का कहना है कि वीकेंड की भीड़ को देखकर लग रहा है कि इस बार चारधाम यात्रा सीजन भी अच्छा रहेगा।

ट्रेजरी से वेतन, पेंशन भुगतान में अड़चन डालने वालों के खिलाफ कर्मचारी लामबंद

देहरादून। जल संस्थान और जल निगम के कर्मचारियों, पेंशनर्स को ट्रेजरी से वेतन, पेंशन का भुगतान सुनिश्चित कराने की सरकार की मुहिम के खिलाफ विभाग ही खड़ा हो गया है। जल संस्थान मैनेजमेंट की ओर से इस नई व्यवस्था पर आपत्ति जताने से कर्मचारी संगठन भड़क गए हैं। एक सिरे से सभी कर्मचारी संगठनों ने मैनेजमेंट के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।जल निगम जल संस्थान संयुक्त मोर्चा ने जल संस्थान मैनेजमेंट के रवैये को सीधे तौर पर कर्मचारी विरोधी करार दिया। संयोजक रमेश बिंजौला और विजय खाली ने इसे सीधे तौर पर वादाखिलाफी करार दिया। सरकार की व्यवस्था को चुनौती देने वाला कदम बताया। कहा कि एक ओर जल संस्थान मैनेजमेंट वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए कर्मचारियों को राशीकरण की सुविधा का लाभ नहीं दे रहा है। इसके साथ ही कर्मचारियों को तमाम वित्तीय लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। जब सरकार ट्रेजरी के माध्यम से, ये सभी लाभ कर्मचारियों को सुनिश्चित कराने को तैयार है, तो निजी स्वार्थों के चलते आनाकानी की जा रही है। कहा कि ट्रेजरी व्यवस्था से कर्मचारी, सरकार का ही नहीं, बल्कि जल संस्थान मैनेजमेंट का भी बड़ा लाभ है। अभी मौजूदा समय में 331 करोड़ के पेयजल बिलों से होने वाली वसूली में 300 करोड़ वेतन, पेंशन के भुगतान में ही खर्च हो रहे हैं। मेंटनेंस, सेंटर स्टोर खरीद के लिए विभाग शासन पर ही निर्भर है। ऐसे में जब ट्रेजरी के जरिए पूरी व्यवस्था जब सरकार के हाथ में आ जाएगी, तो विभाग का आधे से अधिक राजकीयकरण तो अपने आप हो जाएगा। ट्रेजरी से वेतन, पेंशन भुगतान पेयजल के राजकीयकरण की दिशा में अहम है। मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि ट्रेजरी व्यवस्था लागू न हुई, तो चुनाव आचार संहिता समाप्त होते ही आंदोलन शुरू हो जाएगा।

आंदोलन से दूर रहे संगठन भी समर्थन में आए

पेयजल के राजकीयकरण को लेकर पिछले दिनों आचार संहिता लगने से पहले चलाए गए आंदोलन से दूर रहने वाले कर्मचारी संगठन भी ट्रेजरी व्यवस्था के पक्ष में लामबंद हो गए हैं। जल संस्थान कर्मचारी संघ के महामंत्री नंदलाल जोशी ने कहा कि राजकीयकरण होने तक ट्रेजरी व्यवस्था को तत्काल लागू किया जाए। संघ ट्रेजरी व्यवस्था के पक्ष में खड़ा है। पेयजल तकीनीकी फील्ड कर्मचारी संगठन के महामंत्री रामपाल कंडारी ने कहा कि ट्रेजरी व्यवस्था का यदि मैनेजमेंट की ओर से विरोध किया गया, तो इसके खिलाफ आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटा जाएगा। हर हाल में इसे लागू कराया जाएगा।

गोर्खाली सुधार सभा ने मेधावियों का किया सम्मान

देहरादून। गोर्खाली सुधार सभा की कौलागढ़ शाखा का वार्षिक अधिवेशन शाखाध्यक्ष सुशील भंडारी की अध्यक्षता में पंचायती भवन में हुआ। जिसमें शाखा सदस्यों के मेधावी बच्चों को केन्द्रीय अध्यक्ष पद्म सिंह थापा, महामंत्री गोपाल क्षेत्री, मीडिया प्रभारी प्रभा शाह ने सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालों में वान्या गुरूंग, ग्रंथ बोहरा, सोनाक्षी गुरूंग, पलक शर्मा, विशेष थापा, दृष्टि थापा, निरिक्षा बोहरा, खुशी थापा शामिल थी।वरिष्ठ मातृशक्ति समाजसेवी योगमाया राई व बालकृष्ण बराल को भी सम्मानित किया गया। मौके पर मधुसूदन शर्मा, विजय गुरुंग, केबी गुरुंग, शालिनी गुरुंग, समिधा गुरुंग, अनिल बस्नेत, संजय थापा, सागर गुरुंग, पदम शाही मौजूद रहे।

पथरी में भूमि विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, छह लोग घायल

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव घिस्सुपुरा में रविवार को एक परिवार के दो पक्षों में भूमि विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। मारपीट में छह लोग घायल हुए हैं जिनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस जांच में जुटी है। पथरी थाना अंतर्गत गांव घिससुपुरा में एक ही परिवार के कई लोगों में भूमि बंटवारे को लेकर पिछले एक साल से विवाद चल रहा है। शानिवार को परिवार के कुछ लोग उक्त भूमि पर कब्जा करने लगे। इसकी सूचना परिवार के अन्य लोगों को लगी तो वह भी भूमि पर पहुंच गए। इस दौरान दोनों ओर से गाली–गलौज शुरू हो गई। देखते ही देखते मामले ने तूल पकड़ लिया और दोनों पक्षों ने लाठी डंडों और धारदार हथियार से एक–दूसरे पर हमला बोल दिया। करीब आधा घंटे तक हुए मारपीट में वहां अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने किसी तरह बीच मे घुसकर बीच बचाव कराया। मारपीट में छह लोग लहूलुहान हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एसओ पथरी रविन्द्र कुमार ने बताया भूमि विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हुआ है। तहरीर के आधार पर जांच कर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। जबकि एक अन्य मामले में चांदपुर निवासी एक महिला को उसके परिवार के सदस्य ने सर पर डंडे से वार कर उसे घायल कर दिया है। मामले में महिला ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की गुहार लगाई है।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। सिडकुल पुलिस ने चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद करते हुए रविवार को एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। एसओ मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि वी मार्क कंपनी के पास से एक मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई थी। वाहन स्वामी ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था।

मेहूंवाला में बोर्ड परीक्षा की टॉपर छात्राओं एवं शिक्षकों को नवाजा

देहरादून। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाली होनहार छात्राओं का शनिवार को मेहूंवाला पंचायतघर में सम्मान किया गया।

उनके शिक्षकों को भी नवाजा गया।शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में आयोजक सामाजिक कार्यकर्ता मुरसलीन अली ने बताया कि जीआईसी मेंहूवाला की 25 एवं दून सिटी मांटेसरी मेंहूवाला की पांच छात्राओं को शील्ड एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

राज्य में 21 वां व जिले में पांचवां स्थान हासिल करने वाली दसवीं की छात्रा सुमैय्या को भी नवाजा। मुरसलीम ने कहा कि मेहनत के दम पर हर चुनौती को पार कर सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने सभी बेटियों को बधाई दी। संचालन सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद आशिक ने किया।

इस दौरान वहदूद हसन, सैफ अली, मंसूर अली समेत छात्राओं के परिजन मौजूद रहे।

इन्हें किया सम्मानित

12वीं : उजमा, रिशाना परवीन, चांदनी, राकिबा परवीन, नगमा, फिजा, तनिशा, बुशरा जहां, आरजू, जैनब अंसारी

10वीं : सुमैय्या, महक, नबिया, सना, सादिया, नेहा, मन्तशा, सालिहा, नरगिस, हिना।

पति समेत छह के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति, सास, ससुर समेत छह लोगों पर दहेज उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। कहा कि दहेज के लिए आरोपी उसके साथ मारपीट कर गाली गलौज करते हैं। अब आरोपियों ने उसे घर से निकाल दिया है और चेतावनी दी है कि बिना दहेज के ससुराल न आये। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार हाल निवासी मारटंडेल विकासनगर निवासी सबीना पत्नी शोएब ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि कुछ समय पूर्व उसकी शादी शोएब पुत्र बुफरान निवासी पेलावाला बेहट सहारनपुर यूपी से हुई। शादी के बाद से ही ससुर बुफरान, सास रुकसाना, देवर शौकीन, इरफान और फुरकान निवासीगण पेलावाला बेहट सहारनपुर यूपी दहेज के लिए उसका उत्पीड़न करने लगे। हर रोज मारपीट कर गाली गलौज करते हैं।

खेतों तक पहुंची जंगल की आग, लपटों में झुलसी बुजुर्ग महिला की मौत

ऋषिकेश। गढ़वाल मंडल के अंतर्गत जंगल की आग थमने का नाम नहीं ले रही है। अब यह आग आबादी से लगे खेतों को भी प्रभावित कर रही है। जंगलों की आग अब लोगों की जान लेने में उतारू हो गई है।

गढ़वाल मंडल में पहली बार जंगल की आग से महिला की मौत का मामला सामने आया है। पौड़ी गढ़वाल के एक गांव में खेतों तक पहुंची आग को बुझाने के प्रयास में एक बुजुर्ग महिला बुरी तरह से झुलस गई। जिसने रविवार की दोपहर एम्स ऋषिकेश में दम तोड़ दिया। जनपद पौड़ी गढ़वाल के अंतर्गत थापली गांव के जंगलों में बीते दिनों आग लग गई। धीरे धीरे यह आग की लपटे बुजुर्ग कृपाल सिंह के खेतों में आ पहुंची। जिसके बाद उनकी बुजुर्ग पत्नी सावित्री देवी आग को बुझाने का प्रयास करती रही। लेकिन आग तेजी से फैलती गई और बुजुर्ग महिला इसकी चपेट में आ गई। आग की चपेट में आने के कारण वह बुरी तरह से झुलस गई।

आननफानन में महिला को जिला अस्पताल लाया गया जहां डाक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया। महिला की स्थिति गंभीर होने के कारण महिला ने एम्स ऋषिकेश में दम तोड़ दिया।

एम्स चौकी प्रभारी विनेश कुमार ने बताया कि सावित्री देवी (65 वर्ष) निवासी थापली गांव पौड़ी गढ़वाल के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कंपनी से चोरी के मामले में महिला समेत दो गिरफ्तार

विकासनगर। सहसपुर इलाके में औद्योगिक क्षेत्र से एक कंपनी में कार्यरत महिला श्रमिक समेत दो लोग कंपनी से बैटरी और कॉपर तार चुरा ले गये। कंपनी प्रशासन ने दोनों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर चोरी का मुकदमा दर्ज कराया। आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की बैटरी और तार बरामद कर ली है। सारा इंडस्ट्रियल इस्टेट शंकरपुर रामपुर की ओर से यतीश चंद्र ढौंडियाल पुत्र एमएन ढौंडियाल निवासी मोहोब्बेवाला देहरादून ने पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में बताया कि चार मई को कंपनी में कार्यरत पोपिन निवासी हरिपुर सेलाकुई और राधा पुत्री अंकित साहनी निवासी शिवनगर सेलाकुई कंपनी से एक बैटरी और पचास मीटर कॉपर तार चोरी कर ले गए। इसे उनके कबजे से बरामद किया गया है। पुलिस ने कंपनी प्रबंधन की ओर से दी गई तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना सहसपुर मुकेश त्यागी ने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

यात्रा पड़ावों पर पार्किंग निर्माण तय समय पर पूरा करेंः डीएम

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी ने शनिवार को जिला मुख्यालय में बैठक में अधिकारियों को यात्रा को देखते हुए जिले की सभी पार्किंग को दुरूस्त रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पार्किंग की समस्या के समाधान के लिए निर्माणाधीन पार्किंग का काम तेजी से पूरा करने को कहा। बैठक में चारधाम यात्रा के दृष्टिगत वाहनों की पार्किंग के लिए किए गए इंतजामों की समीक्षा की।शनिवार देर शाम को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कहा कि हीना और जोशियाड़ा में निर्माणाधीन पार्किंग तय समय में पूरा किया जाना जरूरी है।

72 मेधावियों की माताएं कमला नेहरू पुरस्कार से सम्मानित

ऋषिकेश। सरस्वती विद्या मंदर इंटर कॉलेज आवास–विकास में रविवार को मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें शैक्षिक सत्र 2022–23 बोर्ड परीक्षा के 72 मेधावियों की माताओं को कमला नेहरू पुरस्कार के चेक वितरित कर सम्मानित किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, निवर्तमान मेयर अनिता ममगाईं, एम्स ऋषिकेश के डॉ. प्रो. संतोष, प्रधानाचार्य उमाकांत पंत ने संयुक्त रूप से किया। कुसुम कंडवाल ने कहा कि विद्यालय निरंतर बुलंदियों को छू रहा है। अनिता ममगाईं ने कहा कि माता घर की पहली शिक्षिका होती हैं।

छात्र संसद से होता है नेतृत्व क्षमता का विकास

विकासनगर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई यमुना कॉलोनी में रविवार को मतदान प्रक्रिया के माध्यम से छात्र संसद का गठन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुसूया प्रसाद जखमोला ने कहा कि छात्र–छात्राओं में संस्कारों के साथ ही नेतृत्व क्षमता का विकास होना जरूरी है, जिससे भविष्य में समाज को संस्कारवान नेतृत्व मिल सके। प्रधानाचार्य ने कहा कि राष्ट्र का भविष्य युवाओं पर निर्भर करता है। युवाओं को संस्कारवान बनाना शिक्षण संस्थाओं का कर्तव्य है। उन्हें शिक्षा के साथ ही अच्छे संस्कार भी दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुकुल प्रथा के तहत पाठशाला सच्चे मायनों में संस्कारशाला होती थी, लेकिन इन दिनों शिक्षा के व्यवसायीकरण के चलते शिक्षण संस्थाओं से संस्कार दूर होते जा रहे हैं। विद्यालयों में शिक्षा, संस्कार के साथ ही नेतृत्व क्षमता का विकास किया जाना जरूरी है। बचपन से ही नेतृत्व क्षमता का विकास होने के चलते राष्ट्र को भविष्य में संस्कारी नेतृत्व मिलता है। इससे समाज में कुरीतियां और विकृतियां जन्म नहीं लेती है। संस्कारवान नेतृत्व ही देश को विकास की राह पर ले जाने में सक्षम होता है। शिशु भारती के तहत काजल सेनापति, आरोही अध्यक्ष, कुणाल नौटियाल मंत्री चुने गए। कन्या भारती के तहत वंशिका अध्यक्ष, निकिता सचिव, निधि कोषाध्यक्ष चुनी गई। छात्र संसद के लिए हुए चुनाव में सिद्धार्थ न्यायाधीश, सुमित सेनापति चुने गए। प्रधानमंत्री पद का चुनाव कुछ कारणों के चलते निरस्त करना पड़ा।

क्रिकेट लीग में हरिद्वार ए और बी टीम ने दर्ज की जीत

हरिद्वार। आयुष क्रिकेट एकेडमी छिद्दरवाला ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में हरिद्वार ए की टीम ने नैनीताल बी की टीम को हराया। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से अंडर–19 इंटर डिस्ट्रिक क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है।मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नैनीताल बी टीम ने 28.4 ओवर में 92 रन ही बना सकी।

शहर में वीकेंड पर पटरी से उतरा ट्रैफिक

ऋषिकेश। वीकेंड पर रविवार को ऋषिनगरी में उमड़ी पर्यटकों की भीड़ से यात्रियों ने दिनभर फजीहत झेली। जयराम चौक से चंद्रभागा पुल तक पहुंचने में लोगों को काफी दिक्कत उठानी पड़ी। ऐसे में महज पांच मिनट का सफर तय करने में एक घंटे से ज्यादा का समय लगा। जाम के कारण सुबह से लेकर शाम तक मुख्य मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए। वीकेंड पर दूर–दराज के पर्यटक सुबह से ही ऋषिकेश पहुंचने लगे थे। सुबह करीब आठ बजे के बाद जयराम चौक जाम हो गया।

चंद्रभागा पुल तक करीब एक किलोमीटर पैच में सुबह से शाम तक लोगों को आवागमन में परेशानी पेश आई। मुख्य मार्ग पर जाम लगने के बाद लोगों ने आंतरिक मार्गों का रूख किया, तो देहरादून रोड, रेलवे रोड, संयुक्त यात्रा बस अड्डा मार्ग और तिलक रोड पर भी ट्रैफिक फंस गया। आवाजाही में दुश्वारियां के बीच लोग जिम्मेदार अधिकारियों को कोसते हुए भी सुनाई दिए। इस दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए तैनात होमगार्ड भी बेबस नजर आए। सीओ संदीप नेगी ने बताया कि वीकेंड में मुख्य मार्ग पर वाहनों को दबाव बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई। पुलिस यातायात को सुचारु रखने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। यात्रा और पर्यटक सीजन के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती भी जल्द की जा रही है।

नेत्र शिविर में 65 लोगों की आंखें जांचीं

विकासनगर। श्री सत्य साईं सेवा समिति ओली चकराता के तत्वावधान में रविवार को विवेकानंद हॉस्पिटल देहरादून की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चकराता में एक दिवसीय निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर अयोजित किया गया। शिविर में 65 मरीजों की जांच कर उन्हें दवा वितरित की गई। चिकित्सा शिविर का शुभारंभ समिति के कोऑर्डिनेटर सूरज प्रकाश ने किया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शेखर ने 65 लोगों की आंखों की जांच कर निशुल्क दवा उपलब्ध कराई। सात लोगों को मोतियाबिंद की शिकायत पाए जाने पर उन्हें निशुल्क ऑपरेशन के लिए विवेकानंद हॉस्पिटल देहरादून ले जाया गया। समिति के कोऑर्डिनेटर सूरज प्रकाश ने कहा कि समिति इस प्रकार के शिविर आयोजित कर कई लोगों का इलाज करा चुकी है।

चीनी मिल ने किसानों के 3713.98 लाख रूपए जारी किए

ऋषिकेश। डोईवाला चीनी मिल ने रविवार को पेराई सत्र 2023–24 की सातवीं किस्त कुल 3713.98 लाख रूपए जारी कर दिए हैं। जिससे गन्ना किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है। डोईवाला चीनी मिल के अधिशासी निदेशक डीपी सिंह ने बताया कि कृषकों द्वारा विभिन्न गन्ना समितियों के माध्यम से पेराई सत्र 2023–24 में आपूर्ति किये गये समस्त गन्ने का भुगतान सम्बन्धित सहकारी गन्ना विकास समितियों को भेज दिया गया है।

जिसके अन्तर्गत डोईवाला चीनी मिल द्वारा सहकारी गन्ना विकास समिति डोईवाला को 1853.79 लाख रुपए, देहरादून समिति को 1206.56 लाख, ज्वालापुर समिति को 221.54 लाख, रुड़की समिति को 287.68 लाख, लक्सर समिति को 27.80 लाख, पांवटा वैली शुगर केन ग्रोवरस सहकारी समिति पांवटा को 94.26 लाख एवं दि शाकुम्बरा शुगर केन ग्रोवरर्स सहकारी समिति पांवटा को 22.35 लाख रुपए का भुगतान किया गया है, जिससे कई हजार कृषक लाभान्वित होंगे।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338